यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

Union Bank of India

Monitoring

ऋण अनुश्रवण

सावधानी हटी ,समस्या बढ़ी .

सतर्क , सजग व सचेत हमें हैं रहना,
हम सबको एक दूसरे से यही है कहना.

नकदी जमा
आइए सेठजी, मैं आपकी क्या सहायता कर सकती हूं ?
मैं जानना चाहता हूं कि बैंक ऋण देने के लिए उचित पात्र का चयन कैसे करता है ?
ऋण की मंजूरी, वितरण, वसूली और निगरानी कैसे करता है ?
स्प्रेड कितना है ?
सेठजी, आप यह सब क्यों जानना चाहते हैं ? आपको सावधि जमा खाता ही तो खोलना है.
जैसे आप ऋण देते समय इन सारी बातों का ध्यान रखते हैं, अतः मुझे भी यह सब जानने का पूरा अधिकार है.
आखिर मैं भी तो बैंक को अपना पैसा उधार दे रहा हूं.
!!
हम्म... कह तो सही रहे हैं...

सेठजी, बस इतना ही आश्वस्त कर सकती हूं कि आप निश्चिन्त होकर हमारे साथ कारोबार कर सकते हैं.
तभी
मैं समय पर किश्त भरता हूं, दस्तावेज़ देता हूं. फिर भी आपके कारण मेरी सिबिल खराब हो गयी.
यह कैसा मज़ाक है?
ट्रिंग
ट्रिंग
मैं क्षेत्रीय कार्यालय से बोल रहा हूं. एक स्टाफ का गृह ऋण खाता स्ट्रैस में दिखा रहा है.
क्या इसमें पैसा जमा नहीं हो रहा?
जी, बराबर हो रहा है.

यहां क्या हो रहा है ? मेरी शाखा प्रबंधक से बात कराओ.
जी सर.
सर आप चिंता न करें. सारा स्टाफ बहुत अच्छा और परिश्रमी है. बस, अनुभव की थोड़ी कमी है.
मैं मीटिंग बुलाकर सबको समझा देता हूं.
इन बातों ने युवा शैली को झकझोर के रख दिया. प्रश्न तर्कसंगत थे. वह सोचने लगी कि स्ट्रेस (एसएमए) पर कैसे लगाम लगाकर आस्तियों को सुरक्षित बनाया जा सकता है.
विश्वास रखो हमारे बैंक का सिस्टम बहुत सुदृढ़ है. बस हमें अपने नियमों व दिशानिर्देशों का पूरी तरह पालन करना चाहिए.
शाखा प्रबंधक

इससे हमारी गलती से स्नपीर होने की संभावना लगभग शून्य हो जाती है.
सच! मैं तो घबरा ही गई थी.
सेठजी को मेरे पास भेज दे, और हां तुम कुछ समय ऋण अधिकारी महेशजी के साथ काम करो.
तुम्हें सारी प्रक्रिया की जानकारी हो जायेगी तो घबराहट भी मिट जायेगी.
धन्यवाद महोदय.
अच्छा, यह बताओ कि कोई तुम से उधार मांगे तो क्या करोगी?
ऋण विभाग
सीधी सी बात है. यह देखूंगी की वह व्यक्ति मेरा पैसा कब तक और कैसे वापिस करेगा.

जब तक पैसा आ नहीं जाता इसका ध्यान बना रहेगा.
यही हम सब बैंक में करते हैं और करना भी चाहिए!
देखो, यह एक ऋण आवेदन पत्र आया है. मंजूरी से पहले क्या क्या करेंगे बताओ.
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
सबसे पहले साक्षात्कार, फिर केवाईसी व सभी आवश्यक दस्तावेज, कार्ययोजना, इसकी लाभप्रदता, बाजार जोखिम, प्रतिभूतियों के कागजात, ग्राहक साख आदि प्राप्त करेंगे.
जमीन
आधार
पैन कार्ड
इन सब रिपोर्टों का अध्ययन कर बैंक की सभी शर्तों के पालन की स्वीकृति के बाद ही नियमानुसार मंजूरी देंगे.
स्वीकृति पत्र

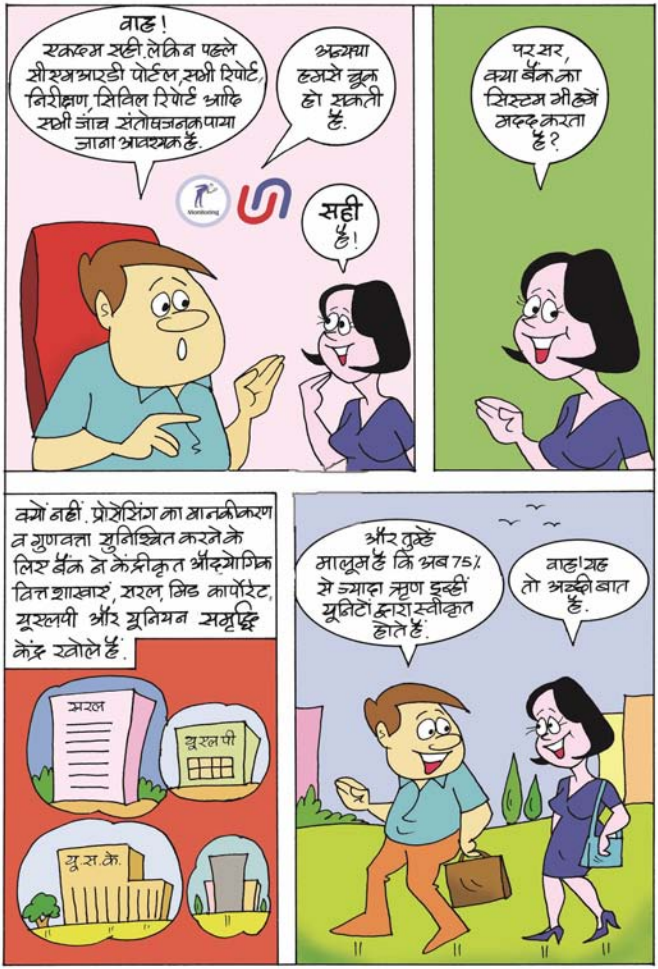

वाह! एकदम सही. लेकिन पहले सीएमआरडी पोर्टल, सभी रिपोर्ट, निरीक्षण, सिविल रिपोर्ट आदि सभी जांच संतोषजनक पाया जाना आवश्यक है.
अन्यथा हमसे चूक हो सकती है.
सही है!
पर सर, क्या बैंक का सिस्टम भी इसमें मदद करता है?
क्यों नहीं. प्रोसेसिंग का मानकीकरण व गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने केंद्रीकृत औद्योगिक वित्त शाखाएं, सरल, मिड कार्पोरेट, यूएलपी और यूनियन समृद्धि केंद्र खोले हैं.
सरल
यूएलपी
यू.स.के.
और तुम्हें मालूम है कि अब 75% से ज्यादा ऋण इन्हीं यूनिटों द्वारा स्वीकृत होते हैं.
वाह! यह तो अच्छी बात है.

अगले दिन
सर, पार्टी को बहुत जल्दी है. वह तुरंत ऋण वितरण चाहती है.
कह रही है चाहे कोरे कागज पर हस्ताक्षर करा लो पर पैसा तुरंत दे दो.
शैली, हम भी देरी नहीं चाहते. पर यदि कोई अनावश्यक जल्दबाजी कर रहा है तो आपको और अधिक सावधानी बरतनी चाहिए. भले कोई बात न हो पर सतर्कता जरूरी है.
हूं... समझ गई. ऋण वितरण के पूर्व मंजूरी पत्र के अनुसार सभी आवश्यक दस्तावेजों, प्रतिभूति के कागज, मोरगेज, चार्ज, सीपीए, दस्तावेजों की वेटिंग व आवश्यक निरीक्षण पूरा कर लेना है.
कंपनी फैक्ट्री के लिए भूमि
क्लिक
एक सुबह
शैली सुबह सुबह कहां चली?
माकरन वसूली पर.

वसूली और तुम ! मेरा भाई एक कंपनी के लिए वसूली करता है .वह पहलवान है फिर भी दो चार आदमी लेकर चलता है.
पैसा न भरने पर कार या बाइक भी उठा लेता है.
सर , अरे क्या यह इतना कठिन कार्य है?
जीवन में सरल कुछ भी नहीं होता.
शाखा प्रबंधक
पर हमारा बैंक इस तरह के गैरकानूनी काम नहीं करता.हम अपने नियम कायदे से चलते हैं.

कुछ दिन बाद
दैनिक मौंपू
बैंकिंग उद्योग में एनपीए चिंताजनक
सर, बढ़ते एनपीए पर कैसे लगाम लगा सकते हैं?
अच्छा प्रश्न है.
स्टाफ मीटिंग बुलाओ. इस विषय पर सबको जानकारी प्राप्त करना और जागरूक होना आवश्यक है. सोचता हूं स्टाफ मीटिंग ही ठीक रहेगी.
हां शैली, जो तुमने पूछा वह एक गंभीर समस्या है.
लेकिन ऐसी नहीं कि इसका हल न हो. हमारे पास ऐसी क्षमता है कि बाजार संबंधी जोखिमों को छोड़कर अन्य कारणों से होने वाले एनपीए पर हम लगाम लगा सकते हैं.
अच्छा, वह कैसे सर?
वाह! बताओ कैसे सर?

जितना केवाईसी व अन्य जानकारी के साथ ऋण स्वीकृत करना जरूरी है उतना ही ऋण का समुचित उपयोग (end use) भी जरूरी है.

सही तरीके से खाता खोलना भी अति आवश्यक है.

फिर वितरण होने के बाद हमारा सबसे महत्वपूर्ण काम शुरू होता है - ऋण अनुश्रवण

सबसे पहला है खाते की समीक्षा... क्या इसमें लेनदेन सामान्य है या नहीं. अचानक लेनदेन का बढ़ना या घट जाने पर नजर रखनी चाहिए.

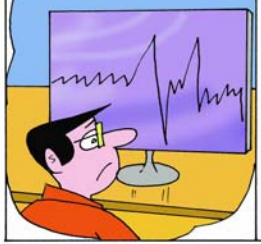

समाज व किश्तों की अदायगी समय पर होनी चाहिए. जानबूझ कर भुगतान न करने वालों पर तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए.

ग्राहक के सभी दस्तावेज तुलनपत्र व स्टाक विवरण आदि समय पर प्राप्त कर इनकी विवेचना करना.
समय समय पर ऑडिट निरीक्षण में कोताही नहीं करनी चाहिए.
बाकी सब छोड़ो. बस स्टाक दिखाओ.
सर कैसे करें? ऑडिटर कभी कोई दस्तावेज मांगते हैं तो कभी कुछ और.
ऑडिटर हमारी वह तीसरी आँख हैं जो उन कमियों / अनियमितताओं को देख लेती हैं जो अनजाने में हमसे छूट जाती हैं.
इनको शत्रु नहीं मित्र समझो. और रिपोर्ट पर तुरंत कार्यवाही करो.
जी सर.

समय समय पर जारी होने वाले परिपत्रों को देखना बहुत आवश्यक है खासतौर पर ऋण अनुश्रवण विभाग के.
परिपत्र
एक बात और कि सिस्टम में खाता खोलते समय ठीक तरह से तथा सही मीनू में खोलना चाहिए.
इसकी ईसमसई की तिथि भी ठीक भरनी चाहिए अन्यथा अपने एस स्टाफ और ग्राहक की तरह अच्छा भला खाता भी स्ट्रैस में दिखने लगता है.
क्या इसमें सिस्टम हमारीमदद नहीं करता?
करता है न. इसके लिए सीएमआरसी वेब पोर्टल एक बहुत ही शानदार अनुश्रवण टूल है.
न सभी ऋण अनुश्रवण अधिकारी हमारी सहायता हेतु ही तो हैं.

जैसे आपके मोबाइल पर आपको हर तरह की जानकारी मिल जाती है, उसी प्रकार इस पोर्टल से चूककर्ता सूची, दबावपूर्व संकेत आधारित संभावित दबावग्रस्त खाते, नवीनीकरण, विधिक लेखा परीक्षा अनुपालन, एनपीए एवं मारकरन की वास्तविक और त्वरित रिपोर्टिंग मिल जाती है.
पोर्टल
ओवरड्यू नोटिस के लिए केंद्रीकृत कॉलसेंटर तथा डिस्पैच सेंटर है. चूककर्ता उधारकर्ताओं को एसएम एस तथा ईमेल भी भेज देते हैं.
काल सेंटर
इस तरह सिस्टम अनुश्रवण में बहुत सहायक व उपयोगी भूमिका निभाता है.
क्या बात है. वाह!
खाते के नवीनीकरण के समय सभी मूल जानकारी पुन: एकत्र की जाती है.

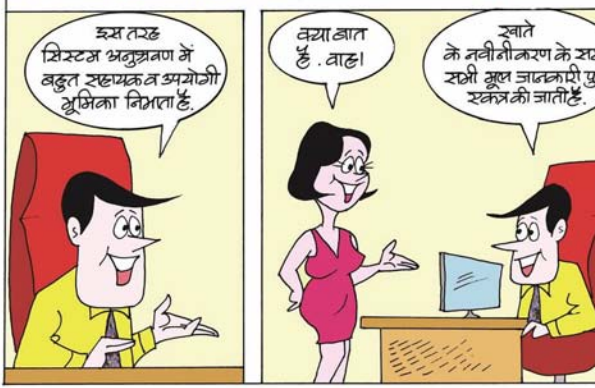

जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि ऋण सुविधा का उपयोग इसी उद्देश्य से हो रहा है जिसके लिए ऋण लिया गया है
एकदम सही
फण्ड का डायवर्जन तो नहीं हो रहा.
मैंने फैक्ट्री की जगह मकान खरीद लिया.
मैंने यह फार्म हाउस.
मॉनिटरिंग की विभिन्न रिपोर्टों को समय पर भेजना जाहिर जिससे पोर्टल समय रहते चेता सके.
समझ गई सर.
अगर दबाव के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत स्ट्रेस्ड पालिसी के तहत समाधान निकालें

आलोक भार्गव द्वारा रेखांकित व यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सीएमआरडी विभाग के समन्वयन से राजभाषा कार्यान्वयन प्रभाग, मानव संसाधन विभाग, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई द्वारा प्रकाशित.